उत्तर प्रदेश को भारत का अग्रणी फार्मा हब बनाने के उद्देश्य से 3 फरवरी को लखनऊ में 'फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' का आयोजन

कॉन्क्लेव में फार्मा जगत के दिग्गज, निवेश और विकास पर करेंगे मंथन

नीति से उत्पादन तक: फार्मा और मेडिकल डिवाइस क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर लखनऊ में होगा महामंथन

लखनऊ, 31 जनवरी: **उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA)** तथा **इन्वेस्ट यूपी** के संयुक्त तत्वावधान में **"फार्मा कॉन्क्लेव 1.0: उत्तर प्रदेश में निवेश अवसर"** का आयोजन 3 फरवरी, 2026 को होटल ताज महल, लखनऊ में किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राज्य की सुदृढ़ अवस्थापना, विशाल उपभोक्ता बाजार और निवेशक-अनुकूल नीतियों के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे और राज्य की पारदर्शी, सुरक्षित व निवेशक-अनुकूल शासन व्यवस्था की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और कल्याण मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा, उपमुख्यमंत्री **श्री ब्रजेश पाठक** सहित अन्य वरिष्ठ मंत्रीगण भी उपस्थित रहेंगे।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य और फार्मा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य उपभोक्ता बाजार के रूप में, हम यमुना क्षेत्र (Noida) में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग पार्क के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को निरंतर सशक्त बना रहे हैं। हमारा यह प्रयास 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की संकल्पना को साकार करेगा, जिससे लाखों लोगों को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होंगी।" — माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में देश की अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति रहेगी। इसमें मुख्य रूप से सन फार्मा के चेयरमैन **श्री दिलीप सांघवी**, ज़ाइडस फार्मा के चेयरमैन **श्री पंकज आर. पटेल**, मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन **श्री रमेश जुनेजा**, डॉ. रेड्डीज़ के चेयरमैन **डॉ. सतीश रेड्डी**, तथा टोरेंट के वाइस चेयरमैन **श्री जीनल मेहता** जैसे प्रमुख नाम शामिल होंगे। उद्योग जगत के ये दिग्गज इस क्षेत्र की विकास संभावनाओं और निवेश के नवीन अवसरों पर केंद्रित गहन विचार-विमर्श करेंगे।

इस पहल को और अधिक सशक्त बनाने के लिए **इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (IPA)** कॉन्क्लेव के साझेदार के रूप में सहयोग कर रहा है। इसके अतिरिक्त, **इंडियन ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IDMA)**, **बल्क ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BDMAI)**, **ऑर्गनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया (OPPI)** तथा **फेडरेशन ऑफ फार्मा एंटरप्रेन्योर्स (FOPE)** जैसी प्रमुख औद्योगिक संस्थाएं भी इस आयोजन से जुड़ रही हैं। इन संस्थाओं की भागीदारी उत्तर प्रदेश को फार्मा एवं मेडिकल डिवाइस निवेश का प्रमुख वैश्विक गंतव्य बनाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को '1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' बनाने के विजन के अनुरूप, यह कॉन्क्लेव फार्मा सेक्टर के प्रमुख हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य विनिर्माण, अनुसंधान, नवाचार और संबद्ध क्षेत्रों में अग्रणी घरेलू व विदेशी निवेशकों को आकर्षित करना है।

उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे बड़े फार्मा बाज़ारों में से एक है और अपनी निवेशक-अनुकूल नीतियों के कारण एक प्रमुख **मैन्युफैक्चरिंग हब** बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'**उत्तर प्रदेश फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस उद्योग नीति-2023**' के तहत निवेशकों को कई आकर्षक सुविधाएं दी जा रही हैं, जैसे:

- **15%** पूंजीगत अनुदान (Capital Subsidy)
- **100%** स्टांप ड्यूटी में छूट
- **बिजली बिल (विद्युत शुल्क)** में पूरी छूट

इन प्रोत्साहनों को राज्य की अन्य नीतियों जैसे एफडीआई/एफसीआई नीति, औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 और जीसीसी (GCC) नीति-2024 का भी पूरा समर्थन मिल रहा है, जो निवेश को और अधिक सुरक्षित और लाभदायक बनाती हैं।

कॉन्क्लेव में ललितपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग पार्क तथा ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति को भी प्रदर्शित किया जाएगा। राज्य में 82 से अधिक मेडिकल कॉलेज, 450 से अधिक फार्मा कॉलेज तथा रायबरेली स्थित राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER), किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ, आईआईटी कानपुर और आईआईटी-बीएचयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं, जो इंडस्ट्री रेडी कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस राज्य की बड़ी ताकत है। 'निवेश मित्र'—देश की सबसे बड़ी सिंगल-विंडो प्रणालियों में से एक—आवेदन से लेकर परियोजना के क्रियान्वयन तक सुगम प्रक्रियाएं प्रदान करता है। एफएसडीए समयबद्ध स्वीकृतियों और नियामकीय सहयोग में सहायक भूमिका निभाता है। इसके साथ ही राज्य के पास तत्काल परियोजनाओं के लिए तैयार (रेडी टू मूव) औद्योगिक भूमि का विशाल भंडार है। 25 करोड़ से अधिक की उपभोक्ता आबादी और लगभग 56 प्रतिशत कार्यशील आयु वर्ग के साथ उत्तर प्रदेश एक मजबूत उपभोक्ता आधार एवं बाजार लाभ भी प्रदान करता है।

13 एक्सप्रेसवे और 21 हवाई अड्डों (आगामी जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित) के विशाल नेटवर्क के साथ उत्तर प्रदेश आज घरेलू और वैश्विक बाज़ारों के लिए बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है। इस कॉन्क्लेव के माध्यम से **हजारों करोड़ रुपये के एमओयू (MoU)** होने, नए निवेशों को गति मिलने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की उम्मीद है, जो भारत के फार्मास्युटिकल ईकोसिस्टम को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।